सरकारी एवं निजी विद्यालय में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन

शत्रुघन भोई
सहायक प्राध्यापक
ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन,
बेलभाटा, अभनपुर, रायपुर (छ.ग.)

सारांश :

मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण और आवश्यक पहलू है जो जीवन भर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्वस्थ मन वाला व्यक्ति जीवन संतुष्टी प्राप्त कर रहा होता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति नई चीजे सीखने और उच्च उपलब्धि के लिए जोखिम के लिए रचनात्मक हो सकता है। प्रत्येक क्षेत्र एवं प्रत्येक आयु वर्ग में सफलता प्राप्त करने के लिये मानसिक स्वास्थ्य का अच्छा होना जरुरी है। मानसिक स्वास्थ्य के ठीक रहने से प्रत्येक मनुष्य की सर्वांगिक विकास अच्छे से होता है।

प्रस्तावना :

स्वास्थ्य देश के विकास के अनुरूप रोग या दुर्बलता का उपचार मानसिक सामाजिक और अध्यात्मिक तरीके से अच्छी तरह से किया जा रहा है। इससे एक व्यक्ति को अपनी क्षमताओ का पता चलता है, यह आत्मविश्वास आता है कि वे जीवन के तनाव के साथ सामना कर सकते है उत्पादकता कम और अपने या समुदाय के लिए एक योगदान करने में सक्षम हो सकते है। इस सकारात्मक अर्थ में यही माना जा सकता है कि इस दुविधा में लड़कर और जीतकर मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अच्छी तरह से किसी भी कार्य को कर सकता है। अतः यह एक समुदाय के प्रभावी संचालन के लिए नीव है।

समस्या कथन :

सरकारी एवं निजी विद्यालय में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओ की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन।

मानसिक स्वास्थ्य :

मानसिक स्वास्थ्य में हमारा भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण शामिल होता है। यह हमारे सोचने, समझने, महसूस करने और कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करता है। विश्व स्वास्थ्य संगढन अपनी स्वास्थ्य की परिभाषा में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी शामिल करता है। मानसिक स्वास्थ्य की परिभाषा करने में यह कहा जा सकता है कि इससे एक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का पता चलता है, यह आत्मविश्वास आता है कि ये जीवन के तनाव के साथ सामना कर सकते है, उत्पादकता काम और अपने या अपने समुदाय के लिए एक योगदान करने में सक्षम हो सकते है।

उद्देश्य :

1) सरकारी एवं निजी प्राथमिक स्कूल में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2) सरकारी एवं निजी पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन।
3) सरकारी एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4) सरकारी एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :

$H0_1$ सरकारी एवं निजी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

$H0_2$ सरकारी एवं निजी पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

$H0_3$ सरकारी एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

$H0_4$ सरकारी एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

अध्ययन की परिसीमा :

1) इस शोध अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले को लिया गया है।
2) इस शोध आंकड़े एकत्रित करने के लिए सरकारी एवं निजी विद्यालयो का चयन किया गया।
3) इस शोध अध्ययन में रायपुर जिले के विद्यालयो में अध्यापनरत महिला शिक्षको का चयन किया गया।
4) इस शोध अध्ययन में हिंदी माध्यम के विद्यालयो का चयन किया गया है।

जनसंख्या :

प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या से आशय रायपुर संभाग के सरकारी एवं निजी विद्यालयो में अध्ययनरत छात्र – छात्राओं से है।

न्यादर्श :

प्रस्तुत अध्ययन में रायपुर जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयो में से 100 छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है –

क्रमांक	विद्यालय	शहरी क्षेत्र	ग्रामीण क्षेत्र	कुल
1	सरकारी विद्यालय	25	25	50
2	निजी विद्यालय	25	25	50
	कुल	50	50	100

शोध विधि :

इस शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

उपकरण :

प्रस्तुत शोध में आंकडो के संकलन के लिए Dr. Yadida Bhutiya द्वारा निर्मित मापनी women teachers mental health

scale का चयन शिक्षिकाओ की मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन हेतु किया गया है।

सांख्यिकी विधि :

सांख्यिकी अनुसंधान का मूल आधार है परीक्षण हेतु प्राप्त आंकडो का विश्लेषण किया जाता है इस हेतु आवश्यक सांख्यिकी जैसे – मध्यमान, प्रमाणिक विचलन एवं टी परीक्षण आदि का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या, निष्कर्ष :

$H0_1$ – सरकारी एवं निजी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया जावेगा।

सारणी 1

क्षेत्र	विद्यालय	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	टी-अनुपात
ग्रामीण	सरकारी विद्यालय	25	50.24	4.6	1.27	3.18
	निजी विद्यालय	25	46.2	3.2		

स्वतंत्रता की कोटि df=48, P<0.05

परिणाम की व्याख्या :-

उपरोक्त सारणी 1 से स्पष्ट है कि ग्रामीण शासकीय विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ का मध्यमान 50.24 प्रमाणिक विचलन 4.6 प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार ग्रामीण अशासकीय विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ का मध्यमान 46.2 एवं प्रमाणिक विचलन 3.2 प्राप्त हुआ दोनों समूहों की प्रमाणिक त्रुटि 1.27 प्राप्त हुआ तथा दोनों समूहों का टी मूल्य का मान 3.18 प्राप्त हुआ और जो की स्वतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर टी सारणी मान 2.01 है। अर्थात गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 48 पर 0.05 स्तर पर प्राप्त मान से अधिक है।

0.48<2.01, df=48(0.05)

अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है

निष्कर्ष :-

प्राप्तांको के आधार यह पाया गया कि ग्रामीण सरकारी एवं निजी विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

$H0_2$ सरकारी एवं निजी पूर्व माध्यमिक विद्यालयो में अध्ययनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

सारणी 4.5.2

क्षेत्र	विद्यालय	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	टी-अनुपात
ग्रामीण	सरकारी विद्यालय	25	55.7	5.29	2.17	5.62
	निजी विद्यालय	25	43.48	5.1		

स्वतंत्रता की कोटि df=48, P<0.05

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त सारणी 4.5.2 से स्पष्ट है कि शहरी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य का मध्यमान 43.48 एवं प्रमाणिक विचलन 5.1 प्राप्त हुआ है दोनों समूहों की प्रमाणिक त्रुटि 2.17 प्राप्त हुआ तथा दोनों समूहों का टी मूल्य का मान 5.62 प्राप्त हुआ और जो की स्वतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर टी सारणी मान 2.01 है अर्थात गणना द्वारा प्राप्त टी का मान df=48 पर 0.05 स्तर पर प्राप्त मान से अधिक है।

0.48<2.01, df=48(0.05)

अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष : प्राप्तांको के आधार पर निष्कर्ष में कह सकते है कि शहरी सरकारी एवं निजी विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

$H0_3$ सरकारी एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयो में अध्ययनरत् महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

सारणी 4.5.3

क्षेत्र	विद्यालय	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	टी-अनुपात
ग्रामीण	सरकारी विद्यालय	25	50.24	4.6	1.98	-2.75
शहरी	निजी विद्यालय	25	55.7	5.29		

स्वतंत्रता की कोटि df=48, P<0.05

परिणाम की व्याख्या :-

उपरोक्त सारणी 4.5.3 से स्पष्ट है कि ग्रामीण शासकीय विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ का मध्यमान 50.24 एवं प्रमाणिक विचलन 4.6 प्राप्त हुआ है इसी प्रकार शहरी शासकीय विद्यालय के महिला शिक्षिकाओ का मध्यमान 55.7 एवं प्रमाणिक विचलन 5.29 प्राप्त हुआ दोनों समूहों की प्रमाणिक त्रुटि 1.98 प्राप्त और दोनों समूहों का टी मूल्य का मान 2.75 प्राप्त हुआ जो की स्वतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर टी सारणी मान 2.01 है अर्थात गणना द्वारा प्राप्त टी का मान df=48 पर 0.05 स्तर पर प्राप्त मान से अधिक है।

0.48<2.01, df=48(0.05)

अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :- प्राप्तांको के आधार पर निष्कर्ष में कह सकते है कि ग्रामीण व शहरी विद्यालय में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में तुलनात्मक अंतर पाया गया।

H_4 सरकारी एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयो में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओ के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

सारणी 4.5.4

क्षेत्र	विद्यालय	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	टी-अनुपात

ग्रामीण	सरकारी विद्यालय	25	46.52	3.2	1.46	2.82
शहरी	निजी विद्यालय	25	43.8	5.1		

0.48<2.01, df=48(0.05)

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त सारणी 4.5.4 से स्पष्ट है कि ग्रामीण सरकारी विद्यालय के बालको का मध्यमान 46.52 एवं प्रमाणिक विचलन 3.2 प्राप्त हुआ है इसी प्रकार शहरी निजी विद्यालय के बालको का मध्यमान 43.8 एवं प्रमाणिक विचलन 5.1 प्राप्त हुआ दोनों समूहों की प्रमाणिक त्रुटि 1.46 प्राप्त तथा दोनों समूहों का टी मूल्य का मान 2.42 प्राप्त हुआ जो की स्वतंत्रता की कोटि 48 के लिए 0.05 स्तर पर टी सारणी मान 2.01 है अर्थात गणना द्वारा प्राप्त टी का मान df=48 पर 0.05 स्तर पर प्राप्त मान से अधिक है।

0.48<2.01, df=48(0.05)

अतः यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :-

प्राप्तांको के आधार पर निष्कर्ष में कह सकते है कि ग्रामीण व शहरी अशासकीय विद्यालय में अध्यापनरत महिला शिक्षिकाओ में तुलनात्मक अंतर पाया गया।

सुझाव :

1. प्रस्तुत शोध महिला शिक्षिकाओ को मानसिक सुधार की दृष्टि से महत्व हो सकता है।
2. महिला शिक्षिकाओ की मानसिक कार्य सम्बंधित बदलाव लाया जा सकता है
3. अवकाश का सदुप्रयोग किया जा सकता है।
4. घर के कार्य एवं विद्यालय के कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकता है।

5. कक्षा में होने वाले महिला शिक्षिकाओ के व्यवहार में बदलाव लाया जा सकता है।
6. सरकारी महिल शिक्षिका एवं अशासकीय महिला शिक्षिका की मनोभाव के अंतर को कम किया जा सकता है।
7. महिला शिक्षिकाओ की विद्यालयी मानसिक बोझ का निदान करना।
8. महिला शिक्षिकाओ की सम्पूर्ण गतिविधियो पर ध्यान दिया जाये।
9. महिला शिक्षिकाओं से घरेलू कार्य एवं विद्यालयी कार्य के देखते हुए अन्य कार्य सौपा जाये।
10. महिला शिक्षिकाओ की रूचि बढ़ाने के लिए एवं मानसिक थकान कम करने के लिए ध्यान दिया जाये ।

संदर्भ ग्रंथ सूची:-

गुप्ता, मौसिमा और कुमार सुशील (2010) कॉलेज के छात्रो के बीच भावनात्मक बुद्धिमता और आत्म प्रभावकारिता के संबंध में मानसिक स्वास्थ्य कुरूक्षेत्र विश्व-विद्यालय, कुरूक्षेत्र *जर्नल ऑफ द इंडियन एजेन्सी ऑ एब्लाइड साइकोलॉजी* पृष्ठ 62 67

गैरेट, हेनरी ई (1979) *मनोविज्ञान और शिक्षा में साख्यिकी* बाम्बे वकील, फेडर एंड सिंगरन प्रा. लिमिटेड.

भूटिया, योदिया और मारनियांग सी.ई.जी. *मानसिक स्वास्थ्य महिला शिक्षको के लिये पैमान* पृष्ठ ७१९.

विग एन.एन. और नागपाल, आर.एन. (1971) *मानसिक स्वास्थ्यं और शैक्षिक उपलब्धि सफल और असफल छात्रों की तुलना*, स्नातकोत्तर चिकित्सा अनुसंधान संसथान, चंदीगढ़

केदारनाथ, बीजे (2003) *मानसिक स्वास्थ्यं और शैक्षिक उपलब्धि सफल और असफल छात्रों की तुलना*, स्नातकोत्तर चिकित्सा अनुसंधान संसथान, चंडीगढ़

नयावत, एस. एस. (1977) *मानसिक स्वास्थ्य के सम्बन्ध में रचनात्मक पी.एच.डी. मनोविज्ञान* कु. विश्वविद्यालय शैक्षिक के अनुसंधान के तीसरे सर्वेक्षण में नई दिल्ली एन.सी.ई.आर.टी.

सरकार ए.के. (1979) *मध्य वर्ग स्कूल जाने वाले किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और कुछ पारिवारिक विशेषताओ के बीच सम्बन्ध शिक्षा विभाग काल*

लोके.ई.ए. (1976) ; *नौकरी की संतुष्टी की प्रकृति और कारण* एमडी डानटी (एड) हैंडबुक ऑफ इंडस्ट्रियल एड आर्गनाइजेशनल : शिकागो. रेड मैक नेली में

पांडा बी.एन. (1999) : *एडवांस्ड एजुकेशनल साइकोलाजी* नई दिल्ली डिस्कवरी पब्लिशिंग हाऊस.

कौल.एल. (2009) : *शैक्षिक अनुसंधान की पध्दति*, चौथा संस्करण, विकास पब्लिसिंग हाउस प्रा. लिमिटेड दिल्ली

कुमार ए. (2012) *मानसिक तनाव और उपचार*, (संपादित) सुमित इंटरप्राइजेस, नई दिल्ली

लाविंगा. के. यू. (1992) *माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच नौकरी की संतुष्टि का एक अध्ययन* शिक्षा में अनुसंधान का 5 वा सर्वेक्षण 1988-93 नई दिल्ली सी. ई. आर. टी. पृष्ठ - 341.

गुरुरानी जी.डी. (2006) *मानसिक स्वास्थ्य और की पाठ्यक्रम* (संपादित) आकांशा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (भारत)

गोस्वामी एम. (2003) : *मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन और मूल्याकंन* प्रथम संस्करण आमर्ग प्रिंटर्स लखी नगर राजधानी नर्सरी, आ.जी. बरुआ रोड